एआई के साथ बदलता जीवन

जनरल पर्पज टेक्नॉलॉजी यानि जीपीटी के अंतर्गत आने वाली एआई या आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक न सिर्फ कारोबार व अर्थव्यवस्था को, बल्कि समाज, भू-राजनीति और मानवता को नया रूप दे रही है।

देखते हैं, कैसे -

- एआई नया यूजर इंटरफेस या यूआई है। इसमें हो रहा लगातार बदलाव मनुष्य की उत्पादकता बढ़ाता जा रहा है।

- नए-नए प्लेटफार्म एजेंट आ रहे हैं। बेकार के ऐप की जगह अब वे एजेंट लेते जाएंगे, जो हमारी ओर से काम करने में सक्षम होंगे।

- 'सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस' की जगह 'सर्विस एज़ ए सॉफ्टवेयर' होगा। इसमें वांछित (मनचाहा) परिणाम देने की जिम्मेदारी कंपनी की होगी।

- जेनेरेटिव एआई से हम कंप्यूटर को अपनी भाषा में निर्देश दे सकते हैं। यानि कि मशीनें हमारी भाषा को समझेंगी। इससे आम लोग भी कोडिंग कर सकते हैं।

- एआई फोन काफी अलग होंगे। इसे 'टच' के बजाय बोलकर कमांड दिया जा सकेगा।

- जेनेरेटिल एआई एक लोकतांत्रिक तकनीक है। यदि हर कर्मचारी इसका इस्तेमाल करने लगे, तो व्यवसाय को काफी लाभ मिलेगा।

आने वाले दिनों में एआई, काम में आने वाली सामान्य तकनीक बन जाएगी, जो इंसानों और पृथ्वी के भविष्य को नया आकार दे सकेगी।

विभिन्न समाचार पत्र पर आधारित। 02 सितंबर, 2024